फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 262 प्रभात जयपुर, रविवार 26 अप्रैल, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

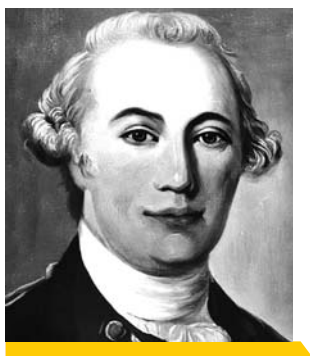

How Fort Duquesne Fell

Forbes captured Fort Duquesne without a fight on November 25, renaming it Pittsburgh in honour of British statesman William Pitt

Peacocks and Snakes

The unexpected Predator-Prey Relationship of Peacocks with Cobras

अमेरिका व ईरान दोनों युद्ध से निजात चाहते हैं, पर, अमेरिका ज्यादा तत्पर है

यह खबर फैलते ही कि ईरान के विदेश मंत्री इस्लामाबाद यात्रा पर निकल पड़े हैं, ट्रंप ने आनन-फानन में अपनी टीम को इस्लामाबाद भेजने की पूरी तैयारी कर ली

- अमेरिका की टीम में अमेरिका के विशेष राजदूत स्टीव विटकोफ व ट्रंप के दामाद जैरेड कुश्नर शामिल किये गए, पर, घटनाक्रम के इस दौर में अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल को इस्लामाबाद आने का न्यौता न तो पाकिस्तान ने और न ही ईरान ने दिया था। अमेरिका की टीम ''मान न मान, हम तेरे मेहमान'' की मुद्रा में इस्लामाबाद पहुंच गई।
- दूसरी ओर, ईरान लगातार कहता रहा कि उसके विदेश मंत्री इस्लामाबाद वार्ता जारी करने के लिए नहीं गए हैं, बल्कि विदेश मंत्री इस्लामाबाद से ओमान व रूस जाने के लिए गए थे।
- यूएस व ईरान वार्ता का कोई एजेण्डा भी तैयार नहीं था। अमेरिका जरूर जेसीपीओए का पुराना एग्रीमैंट पुनः लागू करना चाहता है, क्योंकि ट्रंप ने सत्ता में आते ही इस एग्रीमैंट को रद्द कर दिया था और इसके बाद ईरान पर न्यूक्लियर यूरेनियम परिष्कृत करने के बारे में सारी शर्तें भी खत्म हो गई थी और ईरान अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम बिना रूकावट के आगे बढ़ा रहा था

- अंजन रॉय -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो।

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। अमेरिका और ईरान दोनों युद्ध से थके हुए दिखाई दे रहे हैं और किसी तरह गतिरोध से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन दोनों में से, अमेरिकी तत्काल परिणाम पाने के लिए अधिक उत्सुक लग रहे हैं, जबकि ईरान अधिक धैर्य से काम ले रहा है।

जब यह सार्वजनिक हुआ कि ईरानी विदेश मंत्री इस्लामाबाद जा रहे हैं, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने जल्दी से अपने मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकोफ और दामाद जैरेड कुश्नर की यात्रा आयोजित कर दी। इस समय न तो ईरानियों ने और न ही संभवतः पाकिस्तानी अधिकारियों ने अमेरिकी टीम को आमंत्रित किया था।

फिर भी, अमेरिकी समय से पहले हस्तक्षेप कर रहे हैं और वार्ता में तेजी से शामिल होने की कोशिश कर रहे हैं।

महत्त्वपूर्ण है कि इस बार उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस को वार्ता टीम से बाहर रखा गया है। इसका कारण यह हो सकता है कि पहली बार वार्ता में वैंस परिणाम नहीं ला पाए थे। यह भी संभव है कि वैंस युद्ध के पक्ष में नहीं थे और वार्ता को लेकर उनके कुछ रिजर्वेशन्स थे।

ईरान ने दृढ़ता से इनकार किया है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान की टीम अमेरिका से बात किए बिना लौटी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अप्रेल। ईरान ने अमेरिका के साथ सीधे वार्ता करने में कोई रुचि नहीं दिखाई है, जबकि संघर्ष अपने नौवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने संघर्ष विराम बढ़ाया है, लेकिन ईरानी सूत्रों ने

- ईरान के विदेश मंत्री सय्यद अब्बास अराघची शनिवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ़, जनरल आसिम मुनीर से वार्ता के बाद पाकिस्तान से रवाना हो गए।

दोहराया है कि तेहरान युद्ध समाप्त करने की खातिर, अमेरिका की ''अत्यधिक मांगों'' को स्वीकार नहीं करेगा।

वॉशिंगटन और तेहरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता को लेकर अनिश्चितता शनिवार को उस समय और बढ़ गई, जब ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और उनका प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंचा और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करने के बाद वापस चला गया।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री कार्यालय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा ने अब आप की पंजाब सरकार गिराने का प्लान तैयार किया

हालांकि, पंजाब में आप की सरकार के पास विधायकों का संख्या बल पर्याप्त है, पर, राघव चड्ढा के भाजपा जॉइन करने से स्थिति काफी बदल गई है

- राघव चड्ढा, जो गत चुनाव में पंजाब के प्रभारी थे, आप के कार्यकर्ताओं से उनका संबंध व्यक्तिगत व गहरा था। अतः राघव चड्ढा व भाजपा से जुड़ने वाले सांसद आप के कार्यकर्ताओं को भाजपा उन्मुख आसानी से बना सकते हैं।
- दूसरी ओर भाजपा अरविंद केजरीवाल पर उनको आवंटित 95, लोदी एस्टेट, बंगले को दूसरा शीश महल बनाने का आरोप लगा रही है, दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल को दिल्ली का रहमान डकैत बताया, जो साधारण आदमी होने का दावा करता है, पर, वाकई में बड़े शानो-शौकत की जिंदगी जीता है।
- प्रवेश वर्मा ने यह भी कहा कि एक लंबी लिस्ट है, उन वरिष्ठ आप नेताओं की जिसमें आशुतोष, शाजिया इमती, किरण बेदी, कुमार विश्वास आदि शामिल है, जो आप की सदस्यता त्याग चुके हैं।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। राघव चड्ढा के नेतृत्व में आप के भीतर हुए विभाजन ने भाजपा को प्रेरित किया है कि वह पंजाब में आप विधायक दल में भी इसी तरह का विभाजन लाने की कोशिश करे, या 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले के महीनों में भगवंत सिंह मान सरकार को गिराने तक की योजना बनाए।

संख्या के लिहाज से, पंजाब विधानसभा में आप की स्थिति मजबूत है, लेकिन राघव चड्ढा, जो पिछली चुनावों में पंजाब के लिए आप के प्रभारी थे, का राज्य में आप के कार्यकर्ताओं के साथ मजबूत नेटवर्क है। सूत्रों के अनुसार, वे और अन्य निष्कासित सांसद अपने कार्यकर्ता संपर्कों का इस्तेमाल मान सरकार को अस्थिर करने और भाजपा को एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में प्रस्तुत करने के लिए कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री मान चिंतित हैं और उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अपॉइंटमेंट माँगा है, ताकि वे आप के निष्कासित सांसदों को अयोग्य घोषित करने का प्रकरण उनके समक्ष रख सकें।

भाजपा ने अपनी ओर से आप संयोजक अरविंद केजरीवाल पर फिर से हमला तेज कर दिया है। भाजपा ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बंगाल के चुनाव ने दिल्ली में भारी घरेलू संकट पैदा किया

घरेलू सहायिकाएं वोट डालने अपने गृह राज्य बंगाल गई हैं और घरों की व्यवस्था बिगड़ गई है

- घरेलू सहायिका (हाउस मेड) झाड़ू-पोंछा, बर्तन की सफाई, कपड़े धोना जैसे कई घरेलू काम करती हैं, इससे महिलाओं, खासकर कामकाजी महिलाओं को बड़ा आराम रहता है, पर, अब उन्हें ऑफिस के साथ-साथ घर का काम भी करना पड़ रहा है।
- सूत्रों ने बताया कि भाजपा ने उन्हें रेल टिकट दिया था और कहा था कि अगर वोट नहीं डाला तो वोटर लिस्ट से नाम कट जाएगा, इसलिए और मुफ्त यात्रा का लुत्फ लेने लगभग सभी हाउस मेड बंगाल चली गई।
- स्थानीय लोगों को उम्मीद है, चुनाव खत्म होने के बाद हाउस मेड्स लैट आएंगी और उनकी गृहस्थी सुचारू रूप से चलने लगेगी।

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो।

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। बंगाल के निर्णायक चुनाव के बीच, दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम के घरों में घरेलू संकट गहरा गया है। उच्च-महंगे आवासीय परिसर में काम करने वाली घरेलू सहायिकाएँ मतदान के लिए अपने घर लौट गई हैं, जिससे घर के काम रुक गए हैं। अधिकांश सहायिकाएँ पहले चरण के मतदान (23 अप्रैल) के लिए चली गई थीं और अभी तक वापस नहीं आई हैं।

शहर में बड़ी संख्या में घरेलू सहायिकाएँ बंगाल की पंजीकृत मतदाता हैं। अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने के लिए वे घर गई हैं, जिससे आवासीय परिसरों में कामगारों की कमी हो गई है।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा ने उन्हें रेल टिकट दिलाई और चेतावनी दी कि यदि वे मतदान नहीं करेंगी, तो उनका नाम वोटर लिस्ट से कट जाएगा। ऐसी स्थिति में मुफ्त यात्रा किसे पसंद नहीं होती।

अब निवासियों को झाड़ू-पोंछा, बर्तन धोना और कपड़े धुलाई जैसे काम स्वयं करने पड़ रहे हैं, जो उनके पहले से ही व्यस्त कार्यालय समय को और चुनौतीपूर्ण बना रहे हैं।

मोनिका यादव, होम अपार्टमेंट्स,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान में डिजिटल आपातकाल, 57 दिन से इंटरनेट बंद

तेहरान, 25 अप्रैल। ईरान इस समय एक अभूतपूर्व डिजिटल आपातकाल से गुजर रहा है। इंटरनेट मॉनिटरिंग संस्था नेटब्लॉक्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान में पिछले 57 दिनों से इंटरनेट पूरी तरह से बंद है। यह किसी

- यह किसी भी देश में लगाया गया दुनिया का सबसे लंबा इंटरनेट ब्लैक आउट है।

भी देश में लगाया गया दुनिया का सबसे लंबा राष्ट्रव्यापी इंटरनेट ब्लैकआउट बन गया है। ठीक आठ हफ्ते पहले शुरू हुए इस प्रतिबंध ने न केवल ईरान के 9 करोड़ से अधिक नागरिकों को दुनिया से अलग-थलग कर दिया है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी भारी चोट पहुंचाई है।

अमेरिका-इज़रायल की ओर से किए गए हमले के बाद 28 फरवरी को इंटरनेट सेवाएं अचानक बंद कर दी गई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक ही दिन में दस लाख इंस्टाग्राम यूज़र्स ने राघव को अनफॉलो किया

सूत्रों का कहना है कि राघव चड्ढा का अचानक आप छोड़कर भाजपा में चले जाना ''ज़ैन जैड'' को पसंद नहीं आया

- राघव युवा पीढ़ी में काफी लोकप्रिय नेता थे, पर, शुक्रवार को उनके भाजपा में जाने के बाद से शनिवार एक बजे तक इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स की तादाद 14.6 मिलियन से घटकर 13.5 मिलियन रह गई थी, यही नहीं उन्हें युवा पीढ़ी के भारी आक्रोश का सामना भी करना पड़ रहा है।
- आप की तरफ से राज्यसभा के लिए निर्वाचित राघव अपने साथ 6 राज्यसभा सांसदों को भी भाजपा में ले गए हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। राघव चड्ढा का आप छोड़कर भाजपा में शामिल होना युवाओं, खासकर जैन ज़ैड के बीच कुछ खास प्रभाव नहीं डाल पाया। लोकप्रिय राज्यसभा सांसद, जिन्हें युवा वर्ग में काफी लोकप्रियता हासिल थी, ने 24 घंटे से भी कम समय में एक मिलियन फॉलोअर्स खो दिए।

राघव चड्ढा ने आप छोड़कर भाजपा में शामिल होने के एक दिन बाद राष्ट्रीय राजधानी में राजनीतिक हलचल मचा दी, साथ ही वे छह आप राज्यसभा सांसदों को भी अपने साथ भाजपा में ले गए, जिससे अरविंद केजरीवाल नेतृत्व वाली पार्टी अपने सदस्यों को एकजुट रखने में लग गई।

चड्ढा का भाजपा में जाना, जो कि कुछ हफ्ते पहले उन्हें आप के राज्यसभा में उप नेता पद से हटाए जाने के बाद अपेक्षित था, जैन ज़ैड को प्रभावित नहीं कर पाया।

आज के डिजिटल युग में, सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या को अक्सर लोकप्रियता का मापक माना जाता है। डेटा के अनुसार, चड्ढा के अचानक भाजपा में शामिल होने के बाद उनके इंस्टाग्राम पर 24 घंटे से भी कम समय में लगभग एक मिलियन फॉलोअर्स कम हो गए। शुक्रवार को 37 वर्षीय सांसद के पास 14.6 मिलियन फॉलोअर्स थे, जो शनिवार 1 बजे तक घटकर 13.5 मिलियन रह गए।

राजनीतिक टिप्पणीकारों का कहना है कि युवा, खासकर जैन ज़ैड, चड्ढा के खिलाफ प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सवाल यह है कि क्या डेटा -संचालित सांसद इस डेटा को समझकर अपनी स्थिति सुधार पाएंगे।

चड्ढा ने युवाओं के बीच अपनी एक खास पहचान बनाई थी, क्योंकि उन्होंने लगातार उन मुद्दों को उठाया, जिनमें से अधिकांश राजनैतिक चर्चाओं का हिस्सा नहीं बन पाते, जबकि वे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को सर्वाधिक प्रभावित करते थे, जैसे पितृत्व अवकाश, ट्रैफिक संकट, टेलीकॉम कंपनियों की दैनिक डेटा लिमिट, और ''सॉफ्ट मुद्दे'', जैसे एयरपोर्ट पर महंगे समोसे और गिग वर्कर्स का 10 मिनट डिलीवरी मॉडल के माध्यम से शोषण। उन्होंने एक दिन के लिए ब्लिंकिट डिलीवरी पार्टनर के रूप में काम किया, ताकि गिग वर्कर्स की चुनौतियों को समझ सकें।

इसके परिणामस्वरूप, केन्द्र सरकार ने डिलीवरी कंपनियों को 10 मिनट में डिलीवरी की अनिवार्य समय सीमा हटाने का आदेश दिया। इन प्रयासों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चार दिन में 1.24 लाख लोगों ने केदारनाथ के दर्शन किये

रुद्रप्रयाग, 25 अप्रैल। केदारनाथ धाम में इस वर्ष यात्रा की शुरुआत के साथ ही अभूतपूर्व श्रद्धालु संख्या दर्ज की जा रही है। मात्र चार दिनों में ही

- जिला प्रशासन पूरी यात्रा की निगरानी कंट्रोल रुम के माध्यम से कर रहा है।

1,24,782 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं, जो देशभर में धार्मिक आस्था के बढ़ ते रुझान को दर्शाता है। बाबा केदार के 22 अप्रैल से कपाट खुले हैं।

जिला प्रशासन ने यात्रा को सुचारू और सुरक्षित बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। हेलिपैड, ट्रैक मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस व प्रशासनिक बल तैनात किया गया है। पूरी यात्रा की निगरानी कंट्रोल रूम के माध्यम से की जा रही है, जिससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत के मुख्य न्यायाधीश व मुख्यमंत्री ने ''द बैंच बियॉन्ड रिटायरमैंट'' सेमीनार को संबोधित किया

दोनों ने रिटायर्ड न्यायाधीशों की विद्वता व अनुभव के उपयोग को महत्वपूर्ण बताया

- सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि सेवानिवृत्त न्यायाधीश एक लाइब्रेरी की तरह हैं, जिससे युवा पीढ़ी को हर दिन कुछ नया सीखना चाहिए।
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि न्यायाधीश केवल मुकदमा नहीं सुनते, बल्कि हर उस व्यक्ति की उम्मीद होते हैं, जिसे न्याय की जरुरत होती है।

जयपुर, 25अप्रेल। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज में एक बावड़ी की तरह कार्य करते हैं, जो समय आने पर अपने अनुभव से किसी भी समस्या का सही समाधान बता सकते हैं। इसी कड़ी में, सेवानिवृत्त न्यायाधीश लोक अदालत में मध्यस्थता के जरिए सकारात्मक बदलाव लाने में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक न्यायाधीश हमेशा न्यायाधीश होता है और सेवानिवृत्त न्यायाधीश एक लाइब्रेरी की तरह है, जिससे आज की युवा पीढ़ी को हर दिन कुछ न कुछ नया सीखना चाहिए।

जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एसोसिएशन ऑफ रिटायर्ड जजेज़ एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा ''द बैंच बियोन्ड रिटायरमेंट : वैकल्पिक विवाद समाधान'' के संवर्धन और आम जनता में कानून के प्रति जागरूकता में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की भूमिका' विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा कोर्ट में वाद से पहले लोक अदालत का रुख करने की अपील की प्रशंसा करते हुए कहा कि मध्यस्थता किसी भी विवाद का त्वरित समाधान दिला सकती है।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित सम्मेलन को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि समाज न्यायाधीशों द्वारा कहे गए शब्दों का अनुसरण करता है और इसी से सकारात्मक परिवर्तन आता है। उन्होंने आमजन से कोर्ट में वाद से पहले एक बार मध्यस्थता केन्द्र या लोक अदालत जाने की अपील की। साथ ही, युवाओं से आह्वान किया कि अनुभवी लोगों से प्राप्त अनुभव का समाज एवं राष्ट्र हित में उपयोग करें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कहा कि न्यायाधीश केवल मुकदमे ही नहीं सुनते हैं, बल्कि हर उस व्यक्ति की उम्मीद होते हैं, जिसे न्याय की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि अनुभवी न्यायाधीशों की भूमिका आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उनका अनुभव, विद्वत्ता और न्याय-दृष्टि देश की अमूल्य धरोहर हैं, जिनसे विधिक जागरूकता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलंगाना में केसीआर की बेटी ने नई पार्टी बनाई

- पूर्व मुख्यमंत्री के चन्द्रशेखर राव की पुत्री कविता का लंबे समय से पार्टी नेतृत्व से मतभेद चल रहा था।

हैदराबाद, 25 अप्रैल। प्रचंड गर्मी के बीच तेलंगाना की राजनीति में शनिवार को बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला, जब पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) कलवकुंतला कविता ने नई राजनीतिक पार्टी तेलंगाना राष्ट्र सेना (टीआरएस) के गठन की घोषणा कर दी। इस फैसले को राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है।

तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की पुत्री और पूर्व में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की प्रमुख नेता रहीं के. कविता का पार्टी नेतृत्व के साथ लंबे समय से मतभेद चल रहा था। आंतरिक विवादों के चलते उन्हें जून 2025 में पार्टी से निलंबित कर दिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)